

# Community Eye Health Journal

South Asia Edition

सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य जर्नल, दक्षिण एशिया संस्करण



## संचार प्रौद्योगिकी और नेत्र स्वास्थ्य

© PRIYA MORJARIA CC BY-NC 4.0

नेत्र स्वास्थ्य देखभाल में सुधार लाने के लिए संचार प्रौद्योगिकी में काफी संभावनाएं हैं, बशर्ते पहुंच में समानता प्राथमिकता हो।

**डि**जिटल तकनीक का हमारे जीवन में बहुत बड़ा स्थान है और अगर इसे स्वास्थ्य क्षेत्र में लागू किया जाता है, तो लोगों के स्वास्थ्य में सुधार की भी काफी संभावनाएं हैं। विश्व स्वास्थ्य सभा (वर्ल्ड हेल्थ असेंबली) द्वारा 2020 में अपनाई गई डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक रणनीति, स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने का समर्थन करती है।

इस बात पर भी सहमति बढ़ रही है कि अत्याधुनिक डिजिटल आविष्कार और प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने से अधिक लोग सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (Universal Health Coverage) से लाभान्वित हो सकेंगे।

डिजिटल स्वास्थ्य एक व्यापक शब्द है जिसमें संचार प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सूचना प्रौद्योगिकी, बिग डेटा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जीनोमिक्स और टेक्नोलॉजी या devices जिन्हें हम अपने शरीर पर पहन सकते हैं शामिल हैं। इस अंक में, हमारा ध्यान विशेष रूप से मोबाइल स्वास्थ्य (mHealth), टेलीहेल्थ, टेलीमेडिसिन और टेलीकंसल्टेशन जैसी संचार तकनीकों पर है। ये कुछ हद तक COVID-19 महामारी द्वारा लाए गए चुनौतियों के कारण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण उपकरण बन गए हैं।

संचार प्रौद्योगिकी में अच्छी गुणवत्ता और वहनीय स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने में मदद करने की काफी संभावनाएं हैं। हालांकि, कुछ चुनौतियां भी

हैं। नई तकनीक महंगी हो सकती है और इसलिए यह समुदाय की जरूरतों के अनुकूल होनी चाहिए जहां इसका उपयोग किया जाएगा, और किए गए वित्तीय निवेश को सही ठहराने के लिए पर्याप्त गुणवत्ता का होना भी जरूरी है। एक और बड़ी चुनौती - समुदायों की शिक्षा स्तर, बुनियादी ढांचे, और प्रौद्योगिकी तक पहुंच में पहले से मौजूद असमानताएं हैं। यदि हम पहले से मौजूद स्वास्थ्य असमानताओं को बढ़ने से रोकना चाहते हैं, तो प्रौद्योगिकी का उचित, और नैतिक उपयोग बहुत जरूरी है। खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी, कम डिजिटल साक्षरता, ब्रॉडबैंड इंटरनेट और स्मार्टफोन तक पहुंच की कमी जैसे कारक - जिसे 'स्वास्थ्य के डिजिटल निर्धारक' के रूप में जाना जाता है - मौजूदा सेवाओं में संचार प्रौद्योगिकी को शामिल करते समय हमारी सोच में केंद्रीय होना चाहिए।

इस अंक में, आपको ऐसे लेख मिलेंगे जो - रोगियों के डेटा और गोपनीयता की रक्षा करते हुए, विकलांग लोगों, कम डिजिटल साक्षरता वाले, और इंटरनेट की कमी वाले लोगों के लिए समावेशी और सुलभ टेलीओपथाल्मोलॉजी सेवाओं के विकास के लिए दिशानिर्देश प्रदान करते हैं। हमें उम्मीद है कि आपको विभिन्न क्षेत्रों के लेखों में उपयोगी विचार और प्रेरणा मिलेगी जो रोगियों को उनकी आंखों की देखभाल की जरूरतों के करीब लाने की क्षमता दिखाते हैं।

इस पत्रिका को  
सब्सक्राइब करने  
के लिए कृपया  
दिए गए क्यूआर  
कोड पर क्लिक  
करें



SCAN ME



# प्रमुख सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य संदेश

## टेलीकंसल्टेशन का क्या अर्थ है?

- टेलीकंसल्टेशन मूल्यांकन हेतु या चिकित्सीय परामर्श प्रदान करने हेतु स्वास्थ्य पेशेवरों और रोगियों को जोड़ने के लिए संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है।
- यह रोगी और चिकित्सक के बीच, चिकित्सकों के बीच, या चिकित्सक और प्राथमिक देखभाल प्रदाता के बीच हो सकता है।
- इसे समक्रमिक (साथ-साथ) किया जा सकता है (यानी, रीयल-टाइम में, वीडियो, ऑडियो या टेक्स्ट मैसेज के पारस्परिक विचार-विमर्श द्वारा) या एसिंक्रोनस रूप से (यानी, मेडिकल हिस्ट्री, लैबोरेटरी रिजल्ट्स, नुस्खों आदि जैसी रोग-विषयक जानकारी को संचारित या एक्सचेंज करके)।

## यह सुनिश्चित करने हेतु कि टेलीओफ्थाल्मोलॉजी सेवाएं विकलांग लोगों के लिए सुगम्य हैं

- सुनिश्चित करें कि आपका टेलीकंसल्टेशन प्लेटफॉर्म सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) सुगम्यता मानकों और सरकार द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का अनुपालन करता है।
- यदि किसी नेत्र देखभाल केंद्र में इन सेवाओं का प्रावधान किया जाता है, तो सुविधा भौतिक रूप से सुगम्य होनी चाहिए। यानी सुगम्य पार्किंग, साइनेज, स्टेप-फ्री प्रवेश, रैंप, लिफ्ट, सुगम्य शौचालय, स्पर्श टाइल, ग्रैब बार, और सुगम्य नैदानिक सुविधाओं जैसे डिजाइन तत्वों से सुसज्जित होनी चाहिए।

## नेत्र स्वास्थ्य देखभाल में रोगी परिणामों में सुधार के लिए मोबाइल स्वास्थ्य (mHealth) का उपयोग

- यह ग्लूकोमा या डायबिटिक रेटिनोपैथी जैसी पुरानी या लंबी अवधि की आंखों की स्थिति से प्रभावित रोगियों को उनकी समयादेश (अपॉइंटमेंट) की याद दिलाने में मदद कर सकता है।
- इसका उपयोग रोगियों को समय पर अपनी दवाएं लेने की याद दिलाने के लिए किया जा सकता है।

